This question paper contains 4+2 printed pages]

5385-A3

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper V

(रचनाकार का विशेष अध्ययन—निर्मल वर्मा)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : 30]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

सभी प्रश्न क्रमवार ही हल कीजिए ।

P.T.O.

खण्ड 'अ'

इकाई I

1. (*i*) निर्मल वर्मा किस युग के कथाकार हैं ?

(*ii*) निर्मल वर्मा के **दो** कहानी-संग्रहों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई II

(*iii*) 'वे दिन' उपन्यास की मुख्य प्रवृत्ति क्या है ?

(*iv*) 'वे दिन' उपन्यास के स्त्री व पुरुष पात्रों के नाम लिखिए ।

इकाई III

(*v*) पाठ्य-पुस्तक में संकलित निर्मल वर्मा की **चार** कहानियों के नाम लिखिये ।

(*vi*) 'पहाड़' कहानी के पात्रों का नाम लिखिये ।

इकाई IV

(*vii*) 'चीड़ों पर चाँदनी' में किन-किन देशों की यात्रा का उल्लेख है ?

(viii) 'चीड़ों पर चाँदनी' किस तरह की विधा है ? इसका प्रकाशन कब हुआ ?

इकाई V

(ix) निर्मल वर्मा के निबन्धों की विषय-वस्तु क्या है ?

(x) निर्मल वर्मा के समकालीन **चार** रचनाकारों के नाम लिखिये ।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

अथवा

3. निर्मल वर्मा की वैचारिक दृष्टि को सोदाहरण समझाइये ।

इकाई II

4. सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि 'वे दिन' आधुनिक संवेदना से सम्पृक्त उपन्यास है ।

अथवा

5. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"एक उम्र में यह विचार बहुत रुआँसा लगता है कि कोई खाली-खाली सा होकर तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा हो ..... एक

संग बहुत सुख-सा भी होता है—बाद में । बाद में लगता है, तुम सबसे अलग हो । ..... और यह असम्भव सा लगता है कि जिस घड़ी तुम सो रहे हो उस घड़ी कोई तुम्हारी बाट जोह रहा है ..... तुम्हें अचानक पहली बार अपनी अनिवार्यता का पता चलता है । और उस कातर-से डर का ..... जिसमें पहली बार तुम्हारे माँ-बाप साँझा नहीं करते ..... तुम्हारे मित्र भी नहीं ।

इकाई III

6. 'दहलीज' कहानी की मूल संवेदना को व्यक्त कीजिए ।

अथवा

7. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

'उन्हें यह चीज बहुत विस्मयकारी-सी जान पड़ती कि कभी ऐसा समय भी रहा होगा जब उनकी स्मृतियाँ एक-दूसरे को लेकर नहीं बनी थीं ..... और वे एक-दूसरे से पृथक अपने में अलग-अलग जी रहे थे । उन्हें यह असम्भव लगता और वे इस पर अधिक ध्यान नहीं देते थे । उन्हें उन स्मृतियों से ही सन्तोष था, जो उनकी अपनी थीं ..... उनके बाहर जो कुछ था, वह बाहर था, उसमें झाँकने की उनमें कोई लालसा नहीं थी ।

इकाई IV

8. 'निर्मल वर्मा ने अपने यूरोप प्रवास को बेहद रोचकता के साथ कलमबद्ध किया है ।' इस कथन के आलोक में उनके 'पेरिस' प्रवास पर एक लेख लिखिए ।

अथवा

9. निर्मल वर्मा के 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा वृत्तांत में संकलित साहित्यकार आधारित यात्रा वृत्तांत 'सार्त्र' के विचारों पर प्रकाश डालिए ।

इकाई V

10. ''निर्मल वर्मा की कहानियों में आधुनिकता बोध का फलक अत्यन्त विस्तृत है ।'' इस कथन की समीक्षा कीजिये ।

अथवा

11. 'निर्मल वर्मा की कहानियों के पात्र असंख्य, अदृश्य आन्तरिक और सूक्ष्म यथार्थ के अनुभवों को सच्चा और सजीव बनाते हैं ।' उक्त कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिये ।

खण्ड 'स'

इकाई I

12. "निर्मल वर्मा ने आधुनिकता और आधुनिक मनुष्य की विसंगति तथा वर्तमान में निहित सभ्यता और संस्कृति की ऐतिहासिक चिन्ताओं और चुनौतियों को चित्रित किया है ।" उनकी संकलित कहानियों के आलोक में इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

इकाई II

13. 'वे दिन' उपन्यास में आये नारी पात्रों का चारित्रिक विश्लेषण कीजिए ।

इकाई III

14. 'लवर्स' कहानी की कहानी-तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए ।

इकाई IV

15. 'चीड़ों पर चाँदनी' में संकलित 'काफ्का' की विचारधारा आधारित यात्रा-वृत्तांत पर एक लेख लिखिए ।

इकाई V

16. निर्मल वर्मा के कथा-साहित्य की भाषा-शैली पर सोदाहरण टिप्पणी लिखिए ।